

वोडुपम् MBh. 3, 11149. गुणप्रकर्षाडुपेन शोभेरलङ्घमुल्लङ्घितमुत्तमाङ्गम्
Mṛāṅk. 66, 10.

उडुपति (उडु 1. + पति) m. Mond KUMĀRAS. 5, 22. auf den So ma über-
tragen Suṅ. 1, 164, 19. — Ist wohl nach der Analogie des missverstan-
denen उडुप 2. gebildet; vgl. उडुरात्र.

उडुपथ (उडु 1. + पथ) m. (der Pfad der Sterne) Luft, Aether H. 163.

उडुम्बर und उडुम्बरपर्णी s. उडुम्बर und उडुम्बरपर्णी.

उडुरात्र (उडु 1. + रात्र्) m. Mond MBh. 2, 1322. 13, 837. 14, 1897. R.
4, 3, 14. 5, 76, 20. — Vgl. das bei उडुपति Gesagte.

उडुलोमन् (उ + लो) m. N. pr. eines Mannes Vop. 7, 2. PRAVARĀDHJ.
in Verz. d. B. H. 37, 33 (उडु). उडुलोमा: pl. zu औडुलोमि P. 4, 1, 85,
Vārtt. 8, Sch.

उडूप = उडुप DVIRŪPAK. im ÇKDR.

उडुपन (von डी mit उडु) n. das Auffliegen, Fliegen: संपातोडुपनेन प्र-
स्थितः PAÑKĀT. 113, 5. — Vgl. उडुगिन.

उडुमार adj. ausgezeichnet, vorzüglich TRIK. 3, 1, 3. °उडुमारोद्दण्डोद्दण्ड
PRAB. 81, 13. उडुमारेश्वरतल्ल und उडुमारतल्ल Verz. d. B. H. No. 1314.
fg. — Wie es scheint zusammeng. aus उडु + डामर.

उडुगिन (von डी mit उडु) n. Ausflug, Flug AK. 2, 5, 37. H. 1318. संपा-
तादिकानष्टावुडुगिनगतिविशेषान् PAÑKĀT. 114, 25.

उडुगिन (wie eben) n. das Auffliegen MBh. 1, 8433. — Vgl. die regel-
mässige Form उडुपन.

उडुगिण m. 1) eine bes. Art Werk H. an. 3, 716. MED. ç. 16. nach WILS.
Zaubersprüche enthaltend. — 2) ein Bein. Çiva's diess. und H. 193
(उडुगिण).

उडु m. pl. N. pr. eines Volkes H. 961 (= केराला:). an. 2, 398. सहि-
तांश्चोडुकेरालैः MBh. 2, 1174. सौपाण्डुशत्रून् 3, 1988. VARĀH. BRH. S. in Verz.
d. B. H. 240 (14, 6). 242 (16). Vgl. औडु.

उणक्क f. °कौ gaṇa गौरादि zu P. 4, 1, 41.

उण्डुक m. Geflecht, Netz: केशोण्डुक Suṅ. 1, 101, 15. ein Theil des
Leibes (Bauchfell?) Suṅ. 1, 327, 17. 328, 14. 337, 11. 2, 18, 7. — Vielleicht
verwandt mit उडुप Floss.

उण्डेरक्क m. a ball of flour, a roll, a loaf; उण्डेरक्कन्न a string of
rolls, balls of meal or flour upon a string WILS. Kranzkuchen (STENZLER)
Jāṭṭ. 1, 287.

उत् indecl. = 2. उत् MED. avj. 24. ÇABDAR. im ÇKDR. ÇAÑKAR. zu
TAITT. Up. 2, 7.

1. उत् partic. praet. pass. von वा, वयति (s. d.)

2. उत्त 1) und, auch, sogar; von sehr häufigem Gebrauch: अथ: कर्त्तुं
रथं उत्तेह कर्त्तुं RV. 1, 161, 3. वृजिनोत साधु 2, 27, 3. नमः पुरा तै वरुणोत
नूनम् 28, 8. अयं प्रपेवे अथ त्रयवृत्त व्रतयमुत्त प्र कृणुते युधा गा: 4, 17, 10.
किमाडुतासि वृत्रहन्मध्वन्मन्युमतेमः 30, 7. 1, 127, 9. 140, 12. 132, 2, 9.
162, 5, 6. 2, 7, 3. 24, 1. 27, 8. परमह्युतावर्म् AV. 1, 8, 3. स्वस्वामुत्त नत्थ-
म् 28, 4. 9, 1. 11, 2. 12, 3. ÇAT. Br. 1, 6, 1, 18. 9, 2, 35. 3, 6, 1, 11. 11, 6, 1, 11.
किमुत्त वरेरन् warum auch 13, 3, 5. अन्त्यक्षेयो ऽन्यडुतैव प्रेयः KATHOP.
2, 1. मानाग्निहोत्रमुत्त मानमौनम् MBh. 1, 3623. उत्तैव चिदेवानामभि-
वेमेति am Ende doch so ÇAT. Br. 3, 3, 1, 2. 8, 3, 11. उत्तो RV. 1, 131, 1.
134, 6. 162, 6. 8, 13, 31. 82, 5. 10, 117, 2. उत्तो नु 1, 131, 6. 5, 38, 4. 8, 61,

6. 18. उत्तेव 1, 163, 4. ÇAT. Br. 3, 9, 2, 31. KĀTJ. ÇR. 9, 3, 15. उत्त स्म RV.
4, 9, 4. 5, 9, 3. 52, 9. उत्त वा oder auch, und: समुद्राडुत वा पुरीषात् 1,
163, 1. 86, 3. 147, 5. 2, 23, 7. AV. 1, 9, 2. 30, 4. ÇVETĀÇV. Up. 4, 3. वा — उत्त
वा entweder — oder BRĀHMAN. 3, 5. उताहो वापि — वा dass. MBh. 3,
10635. अथोत Nir. 7, 13. उतापि KĀND. Up. 2, 1, 2. अय्युत्त N. 2, 24. MBh.
13, 43, 165. चाप्युत्त 375. 2, 314. संख्याय च पालान्युत्त N. (BOPP) 20, 40. एता-
वन्ति च दामानो साहस्राण्युत्त सन्ति मे MBh. 2, 2071. तदा — उत्त (pleo-
nastisch) 13, 310. R. 1, 44, 7. न — नोत KĀND. Up. 7, 26, 2. MBh. 3, 1484.
14, 1295. उत्त — उत्त sowohl — als auch: उत्तेदानो भगवतः स्यामोत्त प्र-
पित् उत्त मध्ये अङ्गाम् RV. 7, 41, 4. 1, 133, 4. 10, 142, 3. ÇAT. Br. 14, 7, 2,
21. MBh. 3, 10684. उत्तेव ग्राम्या उत्तेव आरण्याः ÇAT. Br. 13, 3, 2. 14, 3,
1, 19. 7, 1, 14 = BRH. ĀR. Up. 2, 1, 18. 4, 3, 13. उत्तो — उत्त RV. 10, 117, 1. उत्त
सत्तमसत्तं वा वालं वृद्धं च संवय । उतावलं वलीयंसं (ohne वा) धाता प्रकु-
रुते वशे । उत्त बालाय पाण्डित्यं पाण्डितायेत बालताम् । ददाति सर्वमी-
शानः पुरस्ताच्छुक्रमुच्चरन् ॥ MBh. 3, 916. fg. — 2) mit Nachdruck her-
vorhebend, am Ende eines Pāda nach इति und einem verb. fin. (praes.):
ततो ज्ञास्मि मां सैते प्रज्ञाचक्षुषमित्युत्त MBh. 1, 147. 3914. 3, 1031. 1161.
16, 8. BHAG. 14, 11. रैद्रे मुहूर्ते रत्तांसि प्रबलानि भवन्त्युत्त Hlp. 4, 46. सर्व-
भूतानि तं पार्थ सदा परिभवन्त्युत्त MBh. 3, 1026. 520. 1161. BHAG. 1, 40. 14, 9.
AR. 3, 11. 6, 5. कस्माद्विवा नावाप्तवन्त्युत्त 9, 27. — 3) Fragewort (vgl. अ-
पि 10): उत्त दण्डः पतिष्यति P. 3, 3, 152, Sch. उताविद्वान्मुं लोके प्रेत्य
कश्च न गच्छतीति । अहो विद्वान्मुं लोके प्रेत्य कश्चित्सममुताश्च । TAITT.
Up. 2, 6. sehr häufig in einer doppelten oder mehrfachen Frage an zweiter
und folgender Stelle: oder: किं येन सृजति व्यक्तमुत्त येन विभर्षि तत्
KUMĀRAS. 6, 23. कथं निर्णयिते परः । स्याच्च निष्कारणो बन्धुरत्त विश्वास-
घातकः ॥ Hit. III, 103. किं लक्ष्यमुत्तमिदमुत्त परमार्थमुत्तमिदं द्रव्यम् Mṛāṅk.
48, 20. 49, 3. 10. तत्किमयमातपेदोपः स्यात् उत्त यथा मे मनसि वर्तते ÇĀK.
33, 12. 69. SĀH. D. 38, 13. P. 8, 1, 44, Sch. किम् — उत्त वा (durch dazwi-
schenstehende Wörter getrennt) utrum — an PAÑKĀT. 68, 14. SĀH. D. 3, 10.
किम् — उत्त BHARTṚ. 1, 18. किम् — उत्त — उत्त 3, 77. किम् — उत्त — अथ
वा KATHĀS. 17, 112. किम् — उत्त — अहो स्विच् ÇĀK. 106. किं नु — उत्त
— वा — वा R. 5, 31, 40. किम् — अथवा — उत्त 31, 7. कथं ज्ञानी भ-
वतः क्षत्रियान्ब्राह्मणानुत्त । वैश्यान्वा u. s. w. MBh. 1, 7219. durch अहो
verstärkt: अस्यारण्यस्य देवी तमुताहो ऽस्य (mit Elision gegen P. 1, 1, 15)
महीभूतः । अस्याश्च नद्याः N. 12, 53. कश्चित्त्वमसि मानुषी ॥ यन्ती वा रा-
क्षसी तमुताहो ऽसि सुराङ्गना 89. तमा स्विच्छेयसी तात् उताहो तेज इ-
त्युत्त MBh. 3, 1031. Mṛāṅk. 108, 4. PāT. zu P. 8, 3, 67. Einfluss auf den
Ton des verb. fin. P. 8, 1, 49. 50. an उताहो schliesst sich noch स्विच् an:
किं नु स्यात् — उताहो स्विद्वेत् N. 19, 26. अन्यदपुर्विदधातीह गर्भमुता-
हो स्विद्वेत्त कायेन याति MBh. 1, 3611. 3650. 3, 13270. PAÑKĀT. 142, 4,
164, 1. 263, 3. उत्त mit स्विच् allein: किमनया परपुरुषो ऽभिलषितः । उत्त
स्वित्प्राणोद्गच्छः कश्चित्कृतः । किं वा चैर्वर्कमार्चरितम् 41, 1. selten wird
an zweiter oder folgender Stelle किम् vor उत्त wiederholt: किं नु स्व-
गीत्युत्तः प्राप्ता मम व्रीचानुकाम्यया । तस्या ह्यनुवृत्तेण किमुतान्येयमागता ॥
Mṛāṅk. 172, 3. प्रकृतिर्वित्तो मध्ये वाक्कस्ततो ऽपि परे ऽथ वा किमुत्त स-
कले वाक्कि प्रिय तमेत्यसि AMAR. 9. — 4) am Anf. des Satzes mit folg.
potent. ach wenn doch, utinam (?): उताधीयीत P. 3, 3, 152, Sch. उत्त
दुःखं त्रयेदजः Vop. 23, 16. Vgl. अपि 11. — 5) dagegen (nach किम्): अ-